[This question paper contains 4 printed pages.]

4492 *आपका अनुक्रमांक* .....

B.A. (Programme) / I **G-II**

HINDI DISCIPLINE–Paper I

हिंदी अनुशासन-प्रश्नपत्र I (A-138)

(हिंदी कविता, नाटक तथा हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (12 + 12)

(क) जिन दिन देखे वे कुसुम, गई सुबीति बहार।

अब, अलि, रही गुलाब में, अपत कँटीली डार।।

दृग उरझत, टुटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति।

परति गाँठि दुरजन-हियै, दई, नई यह रीति।।

P.T.O.

(ख) मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।

जैसे उड़ि जहाज को पंछी, फिरि जहाज पै आवै।

कमल-नैन कों छाँड़ि महातम, और देव कौं ध्यावै।

परम गंग कौं छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।

जिंहि मधुकर अम्बुज-रस चाख्यौ, क्यौं करील-फल भावै।

सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै।।

(ग) अरुण यह मधुमय देश हमारा।

जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।।

सरस तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरुशिखा मनोहर।

छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा।।

लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे।

उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा।

2. कबीरदास **अथवा** मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए। (10)

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8 + 8 = 16)

(क) बिहारी की शृंगार भावना स्पष्ट कीजिए।

(ख) सूरदास के काव्य में वात्सल्य-वर्णन की समीक्षा कीजिए।

(ग) केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में प्रकृति चित्रण पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय भावना का स्वरूप क्या है? स्पष्ट कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (10)

मेरे भीगे होने की चिंता मत करो..... जानती हो, इस तरह भीगना भी जीवन की एक महत्वाकांक्षा हो सकती है?

वर्षों से बाद भीगा हुआ हूँ। अभी सूखना नहीं चाहता। चलते-चलते बहुत थक गया था। कई दिन ज्वर आता रहा। परंतु इस वर्षा से जैसे सारी थकान मिट गई है....।

अथवा

मैं जानती हूँ माँ, अपवाद होता है। तुम्हारे दुःख की बात भी जानती हूँ। फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता। मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए वह संबंध और सब संम्बंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है....।

5. मल्लिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

कालिदास की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए। (15)

6. (क) कृष्ण काव्य धारा **अथवा** ज्ञान मार्गी शाखा की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। (15)

(ख) नयी कविता **अथवा** प्रगतिवाद पर टिप्पणी लिखिए। (10)